II paper

Impressionism प्रभाववाद

Cloud Monet.

मानव मस्तिष्क सदैव नवीनता की खोज में रहता है इसीलिए समाज मे परिवर्तन आता रहता है। समय के परिवर्तन के साथ मानव की अभिव्यक्ति मे भी परिवर्तन आता जाता है ऐसे समय मे वैज्ञानिक, मनो वैज्ञानिको, लेखक, कलाकारो सभी अपनी अभिव्यक्ति मे अथवा मनोवृत्ति मे एक क्रान्तिकारी परिवर्तन उपस्थित करते है। प्रभाववाद भी ऐसे ही समय का सूचक है इसी समय मनोवैज्ञानिक फ्रायड के सिद्धान्त भी सबके सामने आये और कलाकारों ने अचेतन मन मे व्याप्त बहुत से तत्व सबके समक्ष रखने का प्रयास किया। ऐसी ही प्रवृत्ति की सूचना कोर्बेट के चित्रों से प्राप्त हुई इसी समय इंग्लैण्ड मे भी टर्नर और कॉन्स्टेबल ने अपनी कला मे नये प्रयोग किये। "15 April 1874" में एक प्रदर्शनी लगी जिसमे मोने की "SUN RISE" विषय पर बनी एक पेंटिंग लगायी गयी जिसे आलोचकों ने हास्य रूप मे "इम्प्रेशन-सनराइज" नाम दिया। बाद में इसी नाम को एक वाद के रूप मे इसे स्वीकार कर लिया गया। इस शैली को अपनाने वाले कलाकारों को प्रभाववादी कलाकार कहा गया। प्रभाववाद का प्रथम पदार्पण विरोध के साथ हुआ लेकिन जल्दी ही ये वाद फ्रान्स में ही नहीं पूरे संसार मे फैल गया इस वाद के बारे में

FEB '96

S	✦	08	22
M	✦	09	23
T	✦	10	24
W	✦	11	25
T	✦	12	26
F	✦	13	27
S	✦	14	28
S	01	15	✦
M	02	16	✦
T	03	17	✦
W	04	18	✦
T	05	19	✦
F	06	20	✦
S	07	21	✦

Scanned with CamScanner

विद्वानों के द्वारा अनेक मत प्रस्तुत हुए जैसे प्रभाववाद कोई शैली नहीं बल्कि समय का एक भाग है जिसे कलाकार प्रकृति के प्रथम प्रभाव को अंकित करता है वह देखता है कि दृश्य पर प्रकाश का क्या प्रभाव है वो केवल उसी प्रभाव को अपने चित्र में अंकित करते थे। इन लोगों ने अपने प्रयोग के आधार पर अनुभव किया कि दृश्य का यथार्थ रूप, पर्वत, वृक्ष, फूलों, पत्तियों में नहीं है बल्कि यथार्थ रूप कलाकार की आँखों में निहित रहता है अर्थात प्रकृति का वहीं रूप यथार्थ है जो आँखों को प्रथम बार दिखाई देता है क्योंकि प्रकृति स्थिर नहीं है उसमें निरन्तर परिवर्तन होता रहता है अतः प्रकाश ही यथार्थ है जिसके द्वारा प्रकृति के विभिन्न अवयव दिखाई देते हैं प्रकृति को चार रूप में गिना जा सकता है प्रातः, दोपहर, सन्ध्या, रात्रि. लेकिन प्रकाश के आधार पर प्रकृति के अनेकानेक दृश्य अंकित किये जा सकते हैं इन्हीं क्षणिक प्रभावों को प्रभाववादियों ने बहुत सुन्दर रूपों में अपने चित्रों में संजोया प्रकाश का प्रत्येक रंग सदैव विच्छयमान रहता है इसीलिए उन्होंने अपने चित्रों में लाल रंग के साथ हरा रंग, नारंगी के साथ नीला रंग, पीले रंग के साथ जामनी रंग प्रयोग में किया उन्होंने पाया रंगों के प्रयोग से रंगों की पूर्ण चमक बढ़ जाती है। काले रंग का पूर्ण बहिष्कार किया जहाँ तक हुआ रंगों को मिश्रित नहीं किया शुद्ध रंगों को छोटे 2 कतरों के रूप के रूप में लगाया

S	M	T	W	T	F	S	S	M	T	W	T	F	S
✦	✦	✦	✦	01	02	03	04	05	06	07	08	09	10
11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
25	26	27	28	29	30	31	✦	✦	✦	✦	✦	✦	✦

जिससे दूर से देखने पर मिश्रित
8 रंगों का प्रभाव उत्पन्न हो सके इस विधि
को optical mixture कहा गया। उन्होंने देखा प्रकृति
9 का परिवर्तन रूप प्रकाश के घटत बढ़त के कारण
है अतः प्रकाश को दिखाने हेतु चमकीले रंगों का
10 प्रयोग किया प्रभाववादी कलाकारों के केवल नेत्रों पर पड़ने
वाले सत्य के बिम्ब पर अपना समस्त ध्यान एकाग्रीत
11 करते थे। उसके आधार पर रंगों को चित्रों में
लगाया इसी आधार पर यदि ये कहा जाये कि
12 फ्रांस के कलाकार, कलाकार ना होके वैज्ञानिक थे तो
अतिशयोक्ति ना होगी जिनके लिए प्रकाश और
1 उसका प्रभाव था।

1840 to 1936

2 definition — we paint as a bird sings painting
are not made with doctrines (सिद्धान्त)

3 यह कथन मोने का है जिसने स्वयं को प्राचीन
कला सिद्धान्तों से मुक्त किया व जीवन के
4 सौन्दर्य को बिलकुल नवीन रूप में देखा और
कला को एक नई दिशा में मोड़ दिया मोने
5 पहला कलाकार हुआ जिसमें एक ही दृश्य के
विभिन्न रूपों को अंकित करने का प्रयास
किया। यहाँ तक की एक ही दिन के घण्टों
को अनेकानेक रंगों में दिखाया जैसे एक
ही दृश्य की चित्रमाला तैयार की इससे पहले
किसी भी कलाकार ने इस प्रकाश की भिन्न स्थितियों
को चित्रित नहीं किया था मोने मानता था
जो कुछ प्रथम दृष्टि में दिखाई दे उसे चित्र में

FEB '98

S	✦	08	22
M	✦	09	23
T	✦	10	24
W	✦	11	25
T	✦	12	26
F	✦	13	27
S	✦	14	28
S	01	15	✦
M	02	16	✦
T	03	17	✦
W	04	18	✦
T	05	19	✦
F	06	20	✦
S	07	21	✦

Scanned with CamScanner

तुरन्त अंकित करना चाहिए उसकी अपनी इच्छा थी।

definition- "That He wished he had been want blind and had subsiquently gained sight so that He could have begun to paint with out knowing whats the objects were before him"

इसीलिए मोने उस प्रकाश से परिपूर्ण रंगों से सम्बन्ध स्थापित करना चाहता था जो वस्तु से छूकर रेटिना पर पड़ती है और उसी के द्वारा मस्तिष्क को चेतना प्राप्त होती है। 1880 तक मोने ने अपने चित्रों में दृश्य के स्वतन्त्र प्रभावों को चित्रित किया। 1892 से 1894 तक मोने ने

"Roven cathtdral" सीरीज बनाई जिसमें उसने चर्च को बीस विभिन्न प्रभावों से एकत्र बनाया इस सीरीज में विषय को प्रधानता न देकर दिन के विभिन्न प्रभावों को चित्रित किया। इसके बाद उसने "Parliament London" चित्र शृंखला बनाई जिसमें Parliment को धुन्ध से घिरा दिखाया जो चित्र में एक भूतिया प्रभाव देता है।

1899 में "The Ponds of water lilies" नामक चित्र शृंखला बनाई ये चित्र शृंखला बहुत प्रसिद्ध हुई इसमें रंगो की सुन्दर हारमनी दिखाई देती है। जीवन के अन्तिम दिनों में यथार्थवाद से बिल्कुल दूर हो गया था

इस समय के एब्स्ट्रैक्ट चित्रों की याद दिलाते हैं। मोने ने अपने जीवन के अमूल्य दिन गरीबी में काटे उन दिनों उसने चित्र रचनाये की उसका पूरा जीवन कला में नये प्रयोग नये प्रभाव लाने हेतु बीता अतः अन्त में उसके चित्रों ने बहुत ख्याति प्राप्त की उसी की प्रेरणा स्वरूप कला में बहुत प्रयोग सम्भव हुये।

① कैमिल पिस्सारो
② सिसली
③ रिनॉयर

} Important

Dr. Vandana Verma
Asso. Prof.
Drawing & Painting Dept.

FEB '98

S	✦	08	22
M	✦	09	23
T	✦	10	24
W	✦	11	25
T	✦	12	26
F	✦	13	27
S	✦	14	28
S	01	15	✦
M	02	16	✦
T	03	17	✦
W	04	18	✦
T	05	19	✦
F	06	20	✦
S	07	21	✦

SUN 25

Scanned with CamScanner